एक बिहारी की सबसे बड़ी संपत्ति उसका प्रतिभा है : शाहनवाज

पटना (आससे)। स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड बिजनेस इनोवेशन लैब (SIBIL), सीआईएमपी (CIMP) ने सेंटर फॉर सोशल एंटरप्रेन्योरशिप (ट्रस्ट्श) और सेंटर ऑफ़ बिजनेस सस्टेनेबिलिटी (CBS) के सहयोग से CIMP ऑडिटोरियम में 'उद्यमिता विकास और व्यवसाय स्थिरता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन सैयद सहनवाज हुसैन, उद्योग मंत्री, बिहार सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने बिहार के भावी उद्यमियों के लिए रचनात्मक कार्यशालाओं के आयोजन और राज्य के प्रबंधन अध्ययन के लिए एक पथप्रदर्शक होने के लिए CIMP और स्ट्रक्चुरके प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बिहार की ताकत उसके कार्यबल में है और यह रेखांकित किया कि भविष्य बिहार का है। श्री शाहनवाज ने कहा कि एक बिहारी की सबसे बड़ी संपत्ति उसका दिमाग (प्रतिभा) है। अपने दावे के तर्क में मंत्री ने कहा कि दुनिया में आज ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज और हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालय हैं;

जबकि बिहार में सदियों पहले विक्रमशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे जहां ज्ञान प्राप्ति के लिए विश्व से लोग ज्ञानार्जन के लिए आया करते थें। उन्होंने सीआईएमपी को राज्य का एक प्रमुख प्रबंधन संस्थान बनाने के लिए निदेशक डॉ मुकुंद दास के प्रयासों और कड़ी मेहनत की भी सराहना की और उन्हें 'बिहार रतन' की उपाधि से संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके दृष्टिकोण के लिए भी सराहना की। उन्होंने निकट भविष्य में सिबिल, सीआईएमपी के तत्वावधान में 'उद्यमी पंचायतों' के आयोजन के विचार का प्रस्ताव करते हुए भाषण समाप्त किया। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने माननीय मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि बिहार में विशेष रूप से कृषि-व्यवसाय और सेवा क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने छात्रों से इस दिन भर चलने वाली कार्यशाला से अधिक से अधिक सीखने का आह्वान किया। सिबिल के सीईओ कुमोद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्रों के लिए 'एक बिजनेस प्लान प्रतियोगिता' भी आयोजित की गई थी इसके अलावा प्रो. आलोक कुमार सिंह, पीजीपी अध्यक्ष, आईआईएम त्रिची द्वारा 'हरित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन' विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान दिया गया।

AAJ ! Page.NO-08 ! Dated:19-11-2021

खादी समितियों व संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ मंत्री ने की बैठक

ज्यादा रोजगार सृजन के लिए बनेगी खादी नीति: शाहनवाज

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बिहार में खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा देकर इसमें ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजन के लिए खादी नीति जल्द बनेगी। बिहार की खादी नीति राज्य की सभी खादी समितियों से सुझाव लेकर बनाई जाएगी। आजादी के अमृत महोत्सव पर देश भर में आयोजित होने वाले 75 मेलों में खादी उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा। ये बातें उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने राज्य की सभी खादी समितियों व ग्रामोद्योगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में कही।

पटना के गांधी मैदान स्थित खादी मॉल के सभागार में गुरुवार को हुई बैठक में बिहार की 61 खादी समितियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और उद्योग मंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं के साथ राज्य में खादी को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे। शाहनवाज ने कहा कि खादी, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट्स में रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। इसमें लाखों रोजगार का सृजन हो सकता है लेकिन इसके लिए सभी खादी समितियों को एकजुट होकर मिशन मोड में काम करना होगा। खादी को बढ़ावा देने के लिए एक ऐसी वेबसाइट बनायी जाएगी जिसके माध्यम से राज्य की सभी खादी संस्थाएं वस्त्र और अन्य ग्रामोद्योगी उत्पाद आसानी से बेच सकेंगी। उद्योग मंत्री ने खादी नीति तैयार करने के लिए 11 खादी समितियों की एक कमेटी बनाने का भी ऐलान किया। कहा कि पटना के बाद भागलपुर, पूर्णिया और मुजफ्फरपुर में खादी मॉल बनाने की तैयारी चल रही है।

दिमाग बिहारियों की सबसे बड़ी संपत्ति

पटना। एक बिहारी की सबसे बड़ी संपत्ति उसका दिमाग (प्रतिभा) है। दुनिया में आज ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज और हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालय हैं, जबकि बिहार में सदियों पहले विक्रमशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे। यहां ज्ञान प्राप्ति के लिए विश्व से लोग ज्ञानार्जन के लिए आते थे। ये बातें गुरुवार को स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड बिजनेस इनोवेशन लैब, सीआईएमपी, सेंटर फॉर सोशल एंटरप्रेन्योरशिप और सेंटर ऑफ बिजनेस सस्टेनेबिलिटी (सीबीएस) के सहयोग से 'उद्यमिता विकास और व्यवसाय स्थिरता' पर एक दिवसीय कार्यशाला में उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कही। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कहा कि बिहार में विशेष रूप से कृषि-व्यवसाय और सेवा क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं।

खादी मॉल में खादी समितियों की बैठक को संबोधित करते उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-08 ! Dated:19-11-2021

Wisdom the Biggest Asset of Biharis: Shahnawaz Hussain

OUR CORRESPONDENT

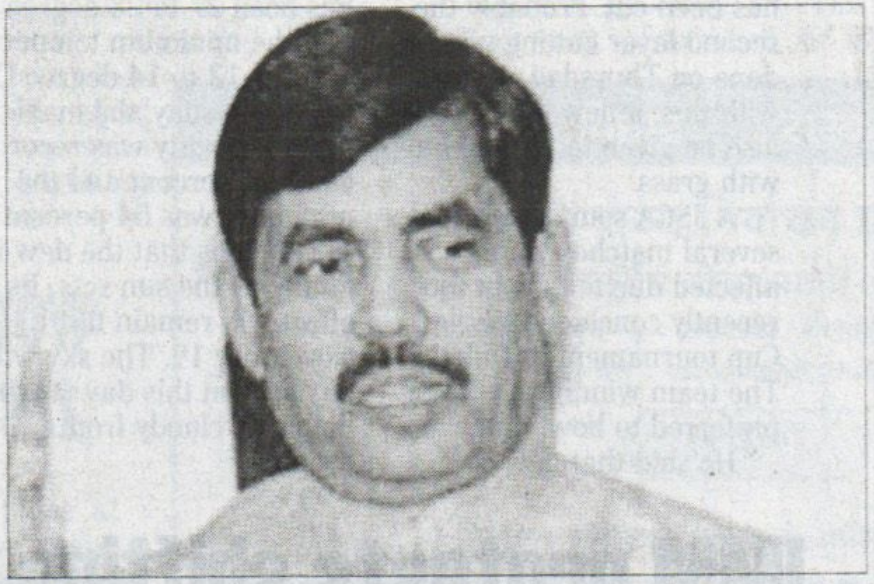

PATNA: Startup Incubation and Business Innovation Lab (SIBIL), CIMP in association with Centre for Social Entrepreneurship (CSE) and Centre of Business Sustainability (CBS) organized a one day workshop on "Entrepreneurship Development and Business Sustainability" at CIMP auditorium.

The workshop was inaugurated by Shri Syed Shahnawaz Hussain, Hon'ble Industry Minister, Govt. of Bihar. Speaking on this occasion, Hon'ble Minister praised the efforts of CIMP and SIBIL in taking the initiative of organizing creative workshops for the future entrepreneurs of Bihar and being a torch-bearer in the state for its management studies. He said that the strength of Bihar lies in its workforce and underlined that the future belongs to Bihar. Shri Shahnawaz said that the biggest asset of a Bihari is his Mind (talent). To vindicate his point, the minister cited that the world has universities like Oxford, Cambridge & Harvard now; whereas Bihar had universities like Vikramshila & Nalanda centuries ago where knowledge seekers from across the planet converged for attainment of knowledge-wisdom. He appreciated the commendable efforts of CIMP under the leadership of its Director Dr. V. Mukunda Das for making the institute a premier institute of the state and addressed him with the title of 'Bihar Ratan". He even applauded Hon'ble Chief Minister, Nitish Kumar, for his vision for the state. He ended the address by proposing the idea of organizing "Entrepreneurs Panchayats" under the aegis of SIBIL, CIMP in near future.

Welcoming the Hon'ble Chief Guest CIMP Director Dr. V. Mukunda Das said that Bihar has immense potential for entrepreneurship especially in the agri-business and services sector. He exhorted the students to take maximum learning from this day long workshop. The Vote of Thanks was given by Mr. Kumod Kumar, CEO SIBIL.

A Business Plan Competition for students was also organized as part of the bigger event in the second half which was judged by Mr. Yateen Kumar Suman. Also a special guest lecture was delivered by Prof. Alok Kumar Singh, PGP Chairperson, IIM Trichy on the topic "Green Supply Chain Management".

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:19-11-2021

खादी में अधिक से अधिक रोजगार के लिए जल्द बनेगी नीति : शाहनवाज

खादी नीति तैयार करने के लिए बनायी जायेगी 11 खादी समितियों की कमेटी

पटना के बाद भागलपुर, पूर्णिया और मुजफ्फरपुर में खादी मॉल बनाने की चल रही है तैयारी

■ पटना (एसएनबी)।

बिहार में खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा देकर इसमें ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजन के लिए खादी नीति जल्द बनेगी। बिहार की खादी नीति राज्य की सभी खादी समितियों से सुझाव लेकर बनाई जाएगी। देश-विदेश में खादी वस्त्रों के प्रोत्साहन के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। आजादी के अमृत महोत्सव पर देश भर में आयोजित होने वाले 75 मेलों में खादी उत्पादों को जबरदस्त तरीके से बढ़ावा दिया जाएगा। उक्त बातें सूबे के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने राज्य की सभी खादी समितियों और ग्रामोद्योगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में कहीं।

गुरुवार को बिहार की सभी खादी समितियों और ग्रामोद्योगी संस्थाओं के साथ पटना के गांधी मैदान स्थित खादी मॉल के सभागार में समीक्षा बैठक बुलाई गई। इस बैठक में बिहार की 61 खादी समितियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और उद्योग मंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं के साथ राज्य में खादी को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे। खादी समितियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री ने कहा कि खादी, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट्स में रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। इसमें लाखों रोजगार का सृजन हो सकता है लेकिन इसके लिए सभी खादी समितियों को एकजुट होकर मिशन मोड में काम करना होगा। उनका विभाग और राज्य सरकार बिहार में खादी को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार है और कर रहा है।

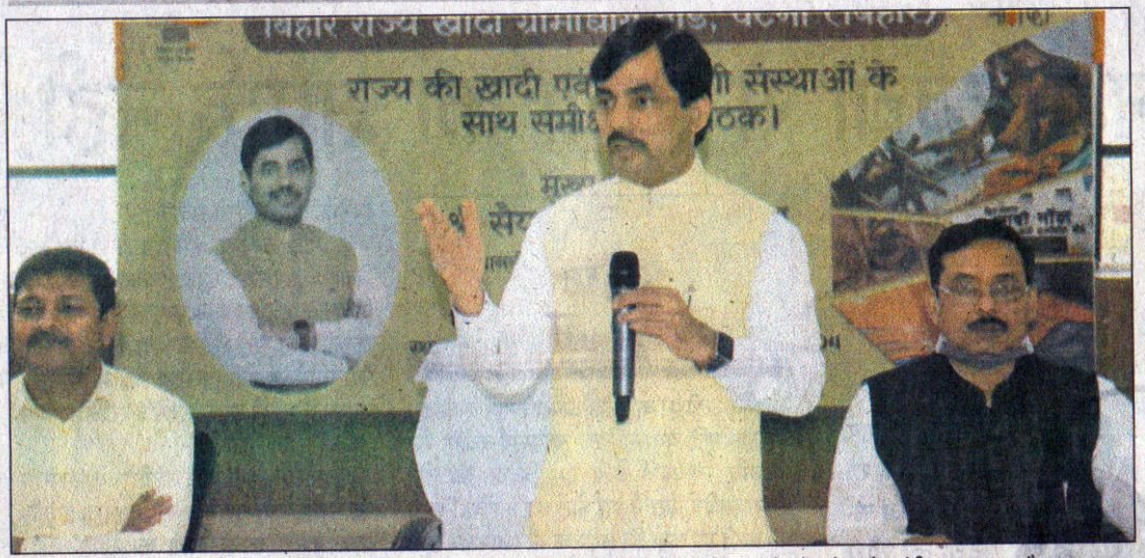

सूबे की खादी समितियों और ग्रामोद्योगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते प्रदेश के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन।

उन्होंने कहा कि खादी को बढ़ावा देने के लिए एक ऐसी वेबसाइट बनायी जाएगी जिसके माध्यम से राज्य की सभी खादी संस्थाएं वस्त्र और अन्य ग्रामोद्योगी उत्पाद आसानी से बेच सकेंगी। इस वेबसाइट के माध्यम से ग्राहक अपनी पसंद के उत्पाद देश-विदेश में किसी भी ठिकाने से खरीद सकेंगे तो इससे ग्राहकों को बिहार की खादी, हैंडलूम या हैंडीक्राफ्ट्स के उत्पादों की खरीदारी के बेहतरीन ऑप्शन्स मिलेंगे। शाहनवाज हुसैन ने खादी नीति तैयार करने के लिए 11 खादी समितियों की एक कमेटी बनाने का भी ऐलान किया। उद्योग मंत्री ने कहा कि पटना के बाद भागलपुर, पूर्णियां और मुजफ्फरपुर में खादी मॉल बनाने की तैयारी चल रही है।

उद्योग मंत्री ने गुरुवार को बिहार की प्रतिष्ठित प्रबंध संस्थान चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में उद्यमिता विकास और व्यापार स्थिरता कार्यशाला का भी शुभारंभ किया। यहां सभागार में जुटे संस्थान के छात्रों और कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में इस वक्त उद्योग का जबरदस्त माहौल है। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के जरिए भी राज्य में युवा उद्यमियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बिहार में उद्यमिता को बढ़ावा देकर राज्य के औद्योगिक विकास के लक्ष्य हासिल करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्टार्टअप्स और उद्यमिता विकास के लिए सरकार संस्थान के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि बिहार में विशेष रूप से कृषि-व्यवसाय और सेवा क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने छात्रों से इस दिन भर चलने वाली कार्यशाला से अधिक से अधिक सीखने का आह्वान किया।

Rashtriya Sahara ! Page.NO-02 ! Dated:19-11-2021

प्रतिभा बिहारियों की सबसे बड़ी संपत्ति : शाहनवाज

सीआईएमपी में आयोजित हुआ वर्कशॉप

patna@inext.co.in

PATNA (18 Nov) : बिहार की ताकत उसके कार्यबल में है. भविष्य बिहार का है. एक बिहारी की सबसे बड़ी संपत्ति उसका दिमाग (प्रतिभा) है. यह बातें उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने गुरूवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना में आयोजित एक दिन के वर्कशॉप में कहीं. वर्कशॉप का आयोजन स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड बिजनेस इनोवेशन लैब (**SIBIL**), सीआईएमपी ने सेंटर फॉर सोशल एंटरप्रेन्योरशिप और सेंटर ऑफ बिजनेस सस्टेनेबिलिटी के सहयोग से उद्यमिता विकास और व्यवसाय स्थिरता विषय पर किया गया था.

प्रयास की सराहना की

शाहनवाज हुसैन ने बिहार के भावी उद्यमियों के लिए रचनात्मक कार्यशालाओं के आयोजन और राज्य के प्रबंधन अध्ययन के लिए एक पथप्रदर्शक होने के लिए ष्टद्धस्क्कऔर स्ढ्ढक्कुरुके प्रयासों की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि दुनिया में आज ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज और हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालय हैं, जबकि बिहार में सदियों पहले विक्रमशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे, जहां ज्ञान प्राप्ति के लिए विश्व से लोग आया करते थे. उन्होंने सीआईएमपी को राज्य का एक प्रमुख प्रबंधन संस्थान बनाने के लिए निदेशक डॉक्टर मुकुंद दास के प्रयासों और कड़ी मेहनत की भी सराहना की और उन्हें बिहार रत्न की उपाधि से संबोधित किया. उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके दृष्टिकोण के लिए भी सराहना की.

I-Next ! Page.No-07
Dated:19-11-2021